एक नजर में

शासकीय आईटीआई में विभिन्न ट्रेडों में पंजीयन प्रारंभ

राजगढ़ 21 अगस्त, का. कौशल विकास संचालनालय म.प्र. के अंतर्गत युवाओं के लिए रोजगारन्मुकखी पाठयक्रम में प्रवेश के लिए जिले में संचालित समस्ते शासकीय आईटीआई में विभिन्न ट्रेडों में पंजीयन पोर्टल प्रारंभ किया गया. वेल्डर व्यवसाय के लिए 8 वीं उत्तीर्ण एवं अन्य व्यवसाय के लिए 10वीं उत्तीर्ण होना आवश्य क है. पंजीयन के पश्चाएत च्वाईस फिलिंग पोर्टल पर 22 अगस्तय तक किया जा सकता है. महिलाओं के लिए प्रत्येगक व्यवसाय में 35 प्रतिशत सीट आरक्षित की गई है.

आर्थिक सहायता स्वीकृत

राजगढ़ 21 अगस्त, का. अनुविभागीय (राजस्वस) अधिकारी नरसिंहगढ़ सुशील कुमार द्वारा नायब तहसीलदार बोड़ा के प्रतिवेदन पर आकाशीय बिजली गिरने से ग्राम पीपल्याारसोडा के मृतक इमरान खां की मृत्यु होने के कारण उसके वैध वारिस पत्नीे नगमा बी को 04 लाख रूपये की आर्थिक सहायतानुदान राशि स्वीकृत की गई है. उन्होंने हितग्राही को स्वीकृत राशि का शीघ्र भुगतान करने संबंधित अधिकारी को निर्देशित भी किया है.

ऋणी किसान 30 अगस्त तक फसल बीमा कराएं

राजगढ़ 13 अगस्त, का. किसान कल्याण तथा कृषि विकास विकास विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत अऋणी किसानों के लिए खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़कर 14 अगस्त कर दी गई थी. तथा ऋणी किसानों के लिये अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अगस्त 2025 कर दी गई है. जिन किसानों ने बैंकों से केसीसी लिया है और उनका बीमा बैंक द्वारा किया जाता है, किसी कारण से बैंक द्वारा बीमा नहीं किया गया है तो वह किसान बैंक से संपर्क कर अपना फसल बीमा कराएं. अऋणी किसान एवं ऐसे किसान जिनका फसल बीमा छूट गया है वह अंतिम तिथि का इंतजार न करें और शीघ्र ही पास की बैंक शाखा जैसे सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक, जन सेवा केंद्र तथा सीएससी ऑनलाइन पर जाकर फसल बीमा कराए. ताकि फसल नुकसानी के समय किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल सकें. फसल बीमा कराने के लिए आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड (मोबाइल नंबर से लिंक), जमीन सिकमी (बटाई पर) होने पर इसका शपथ पत्र, भू-अधिकार ऋण पुस्तिका/खसरा खतौनी, बैंक पासबुक, बुवाई प्रमाण पत्र (जो कि पटवारी पंचायत सचिव, कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा जारी किया गया हो), फार्मर आई डी आदि ले जाना अनिवार्य है. कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है कि खरीफ फसलों का बीमा अवश्य करायें ताकि प्रतिकूल मौसम के कारण फसल नुकसान या उपज में कमी होने पर फसल बीमा योजना के तहत फसल नुकसान की प्रतिपूर्ति हो सके.

ब्यावरा में 8 वें दिन पेयजल सप्लाई

विद्युत मोटर खराब होने से शहर में बारिश के दिनों में चरमराई पेयजल व्यवस्था

वर्षाकाल में भी पानी के लिए जद्दोजहद

बिजली कटौती, तकनीकी कारण से गड़बड़ाई सप्लाई

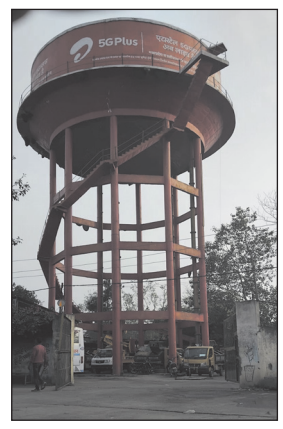

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 21 अगस्त, का. बारिश के दिनों में भी नगर में पेयजल सप्लाई गड़बढ़ाने से नागरिकों को पानी के लिए फजीहतों का सामना करना पड़ रहा है. नगर में पेयजल सप्लाई का अंतराल काफी बढ़ गया है. इसी बढ़े अंतराल के बीच गुरुवार को बस स्टेण्ड पर वॉटर वर्क्स स्थित दोनों विद्युत मोटर फुंक जाने से कई क्षेत्र में सातवें दिन भी पेयजल सप्लाई नहीं हो सकी.

नपा द्वारा पेयजल सप्लाई का अंतराल बढ़ने के पीछे बिजली कटौती एवं अन्य तकनीकि कारण बताया जा रहा है. कारण चाहे जो रहे किंतु बारिश के समय पानी के लिए नागरिकों का परेशान होना सोचनीय है.

जानकारी के अनुसार 20 अगस्त की शाम को सुदामा नगर क्षेत्र में पेयजल सप्लाई की गई, इसके पूर्व यहां 14 अगस्त को पेयजल सप्लाई हुई थी. 21 अगस्त को राजगढ़ रोड क्षेत्र में सप्लाई होना थी जहां आज भी सप्लाई नहीं हो सकी. अब 22 अगस्त को सप्लाई होगी. क्योंकि वॉटर वर्क्स टंकी पर पानी लिफ्ट करने वाली दोनों 30-30 एचपी की विद्युत मोटर एकाएक फुंक जाने के बाद दोपहर से पेयजल सप्लाई गड़बड़ा गई. पेयजल सप्लाई का अंतराल अब आठवें दिन पर जा पहुंचा है.

कारण बताकर इतिश्री

नगर में गर्मी के दिनों में ही नहीं अपितु ठंड एवं बारिश के दिनों में भी पेयजल संकट के हालातों का सामना करना पड़ रहा है. पेयजल सप्लाई में अंतराल के पीछे बिजली कटौती, पेयजल सप्लाई की मोटर में खराबी आदि अन्य तकनीकि कारण बताकर पल्ला झाड लिया जाता है किंतु आये दिन इस तरह की समस्या निर्मित होने से नागरिकों को पानी के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. वर्तमान में बारिश के दिनों में भी लोग दूर दराज ट्यूबवेल, हेण्डपम्प आदि जगह से पानी लाने को मजबूर है. वर्तमान में पेयजल सप्लाई का अंतराल बढ़ने के पीछे बिजली कटौती, बस स्टेण्ड स्थित वॉटर वर्क्स पर वॉल्व एवं मोटर खराब होने, घोड़ा पछाड़ एवं कुशलपुरा डेम स्थित मोटर खराब होना कारण बताए जा रहे है.

बिजली कटौती, मोटर खराब होने आदि के चलते पेयजल सप्लाई में व्यवधान पहुंचने से अंतराल बढ़ा है. जल्द ही पूर्व तरह पेयजल सप्लाई सुचारु होगी.

राहुल गुप्ता
सब इंजीनियर, नपा ब्यावरा

बोडा-गुलखेडी जोड़ पर 07.89 ग्राम स्मैक पकड़ी, 4 आरोपी धराए

राजगढ़ 21 अगस्त, का. जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित तोलानी के निर्देशन में एडिशनल एसपी केएल बंजारे, एसडीओपी नरसिंहगढ़ सुश्री मिनी शुक्ला व थाना बोडा पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है. मुखबीर सूचना पर थाना बोडा पुलिस द्वारा गुलखेडी जोड़ पर एक महिला को नीली स्कूटी पर संदिग्ध अवस्था में रोककर तलाशी ली गई. आरोपी चंदा पति गोतम सांसी, उम्र 28 वर्ष, निवासी गुलखेडी की स्कूटी की डिग्गी से 07.89 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक जप्त की गई. आरोपी चंदा के मेमो पर अन्य सह-आरोपियों से भी नशे का कारोबार संचालित करने के संबंध में आरोपी शोभा पति सुधीर सांसी उम्र 40 वर्ष, रेखाबाई पति मुकेश सिसोदिया उम्र 45 साल, संतोष पिता हजारीलाल सिसोदिया उम्र 36 साल निवासी गुलखेडी, कांटा, स्टील की चम्मच, सफेद कागज के टुकड़े एवं 15-16 पारदर्शी पॉलीथिन बरामद किया गया. आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया है. इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटा, यूपीआई बार कोड, इंजेक्शन, सीरिंज एवं कांच की शीशी और सिल्वर बॉडी इलेक्ट्रॉनिक कांटा, प्लास्टिक कवर, सफेद कागज के टुकड़े एवं पारदर्शी पॉलीथिन जब्त किया है.

3 साल पूरे होने पर परिषद ने नगर में लगाए पौधे

शहरों की तर्ज पर सड़कों के बीच पौधे बढ़ा रहे सुंदरता

नवभारत न्यूज

पचोर 21 अगस्त, सं. नगर परिषद अध्यक्ष विकास करोड़िया एवं परिषद सदस्यो के पदभार ग्रहण के 3 वर्ष पूर्ण होने पर श्री राधाकृष्ण बगीची मंदिर श्री हनुमान मंदिर बगीची के परिसर में नगर परिषद अध्यक्ष विकास करोड़िया नगर परिषद उपाध्यक्ष राम भरोसा यादव एवं पार्षदों एवं गणमान्य नागरिकों नगर परिषद अधिकारी दीपक रानवे दुर्गेश शर्मा नगर परिषद लेखपाल नगर परिषद के कर्मचारियों की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया. नगर परिषद द्वारा 3 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण करने के साथ नगर के अधिकांश वार्डों में मूलभूत सुविधाओं को लेकर निर्माण कार्य प्रगति पर है. नगर परिषद द्वारा वर्षों से लंबित समस्या बस स्टैंड से बोड़ा रोड तक आए दिन होने वाले ट्रैफिक जाम से मुक्ति के लिए भी सार्थक प्रयास किए गए हैं। नागरिकों में नगर परिषद के आवाहन पर स्वेच्छा से अपने अतिक्रमण मंडी रोड से बोड़ा रोड तक नगर परिषद द्वारा अधिग्रहण की गई भूमिका अपने अतिक्रमण हटा लिए नगर परिषद द्वारा मंडी रोड से गांधी चौराहा कुंज खाली बोडा रोड तक कुछ विवादित जगह को छोड़कर सड़क के दोनों और नाली निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है. नगर परिषद अध्यक्ष विकास करोड़िया ने बताया कि नाली निर्माण में आ रही बाधा को समाधान के पश्चात शीघ्र ही रोड निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा. इसी के साथ-साथ नगर के सार्वजनिक, धार्मिक स्थान पर भी नगर परिषद द्वारा विकास कार्य के साथ-साथ वृक्षारोपण किया जा रहा है.

सारंगपुर, पड़ाना अंचल में करोड़ों के विकास कार्य

नवभारत न्यूज

सारंगपुर/पड़ाना 21 अगस्त, सं. प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार श्री गौतम टेटवाल ने विकासखंड सारंगपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपये की लागत से पूर्ण हुए विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार कर लोगों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान किया जाए.

रामपुरिया पंचायत में 45 लाख की सौगात-

ग्राम पंचायत रामपुरिया में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने लगभग 45 लाख रुपये की लागत से तैयार सामुदायिक टीन शेड भवन, सीसी रोड और नाली निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया.

करौंदी पंचायत में 27.50 लाख रुपए की योजनाओं का शुभारंभ- ग्राम पंचायत करौंदी में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल द्वारा करीब 27.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित स्वागत द्वार, सीसी रोड और नाली निर्माण जैसे जनहितैषी कार्यों का शुभारंभ किया गया.

टिकोद पंचायत में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार- ग्राम पंचायत टिकोद में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल द्वारा सामुदायिक टीन शेड भवन, सीसी रोड, नाली निर्माण और तार फेंसिंग कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया. ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक स्वागत करते हुए कहा कि इन कार्यों से उन्हें लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी.

अपने उद्बोधन के दौरान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सपना है कि गांव-गांव में विकास की गंगा बहाई जाए. हर गरीब को आवास, बच्चों को शिक्षा, हर घर को जल और हर नागरिक को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले.

ग्रामीणों का उत्साह और स्वागत- लोकार्पण व भूमि पूजन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे. लोगों ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल का स्वागत किया और विकास कार्यों के लिए आभार जताया.

ग्रामीणों का कहना था कि वर्षों से लंबित समस्याओं का अब समाधान हो रहा है और सरकार ने उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने का कार्य किया है.

छत्रपति शिवाजी महाराज की मशाल यात्रा पहुंची मऊ

नवभारत न्यूज

पड़ाना 21 अगस्त, सं. कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी आगरा से महाराष्ट्र प्रांत के अंतर्गत आने वाला राजगढ़ जिले वाली गरुण क्षेप मुहिम मशाल यात्रा 17 अगस्त को प्रारंभ होकर 27 अगस्त तक चलने वाली ग्यारह दिवसीय यात्रा अपने पांचवे पड़ाव पर समीप ग्राम मऊ पहुंची जहां वीर शिवाजी संगठन के सदस्य मशाल लेकर यात्रा में सहभागी बने. उल्लेखनीय है कि यात्रा 359 वर्ष पूर्व 17 अगस्त 1666 को श्री छतपति शिवाजी महाराज अपने बुद्धि चातुर्य से औरंगजेब की जेल से निकल कर राजगढ़ किला पहुंचे थे. यह यात्रा शिवाजी महाराज की स्मृति उत्सव के रूप में जीवित रखने के लिए अधिवक्ता मारुति गोले की ओर से गरुण क्षेप मशाल यात्रा के रूप में प्रारंभ की गई है. यात्रा का उत्तरप्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र के सभी प्रमुख स्थानों से होकर निकलती है. इस मौके पर वीर शिवाजी संगठन के लोकेश नहर सहित विभिन्न धार्मिक संगठन व सामाजिक संगठन के अलावा अन्य ग्रामीण जनों ने मसाला यात्रा का स्वागत किया.

जीवित समाधि ली थी संत ने, सवा सौ वर्षों से हो रहा भण्डारा

नवभारत न्यूज

सुठालिया 21 अगस्त, सं. श्री राजनाथ योगाश्रम पाठशाला के संस्थापक बाबा सा. श्री श्री 1008 श्री राजनाथ जी महाराज का 109 वाँ समाधि उत्सव गुरू महाराज श्री बालकनाथ जी के सानिध्य मे विदिशा जिले के अगरा (शमशाबाद के निकट) मे शुक्रवार को हर्षोल्लास से मनाया जावेगा. मुख्य यजमान गणेश, दीपक, संतोष सोनी शमशाबाद द्वारा ब्राह्मण भोज कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा. इस स्थान पर पहुंचने के लिए सुठालिया से लटेरी होते हुए अगरा पहुंचा जा सकता है. श्री राजनाथ जी बाबा सा. ने हरियाणा के क्षत्रिय राजपूत घराने मे जन्म लिया था आपने किशोर अवस्था मे ही राजभोग को त्याग कर नाथपंथ स्वीकार कर साधु जीवन मे प्रवेश कर लिया था आपने अबोहर हरियाणा जिला रोहतक के योगीराज महेन्त श्री तोताराम जी से गुरू दीक्षा प्राप्त की आपने गुरू आदेश पर उत्तराखंड के भौर नामक स्थान पर योगसिद्यि प्राप्त की इसके पश्चात कई स्थानों पर भ्रमण कर आप घुरेल होते हुए टोडी पहुँचे, जहाँ ठाकुर सा. श्री सरदार सिंह जी ने बगीचे में धुना लगवाया और राजा रानी ने तन मन धन से सेवा की आपने लगभग 8 वर्षों तक निवास किया जहाँ आपकी गुरू महाराज श्री गिरधारी नाथ जी से भेंट हुईं ओर उन्हें शिष्य बनाया एवं गुरु दीक्षा दी. इसके पश्चात ठाकुर बलदेव सिंह जी के आग्रह पर विदिशा जिले के अगरा शमशाबाद मे धुना जमाया और भादो कृष्ण पक्ष की चौहदस 26 अगस्त 1917 को आपने जीवित शरीर के साथ अगरा गांव में समाधि ली तभी से इस दिन परम्परानुसार विशाल भंडारा प्रतिवर्ष होता है समाधि स्थल पर एक शिवालय बना हुआ है जहाँ की भस्मी प्राप्त कर श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं. सद्गुरु की पूजा विदिशा, राजगढ़, गुना, भोपाल

जिलों के घरो मे होती है. यहाँ एक गुफा भी स्थित है जहाँ बाबा सा. तपस्या किया करते थे.

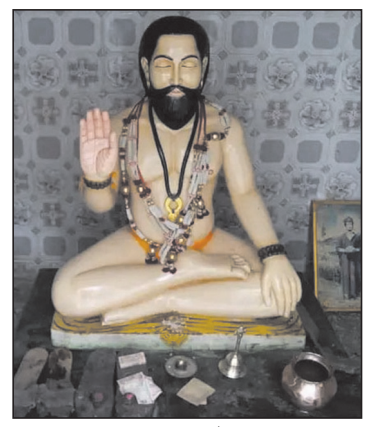

जिले में अर्जित अवकाश के भुगतान, नगदीकरण पर रोक

राजगढ़ जिले में वर्ष 2008 के बाद से अर्जित अवकाश नगदीकरण पर रोक लगी हुई है

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 21 अगस्त, का. राजगढ़ जिले में वर्ष 2008 के बाद से अर्जित अवकाश नगदीकरण पर रोक लगी हुई है. शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है. जबकि समीपस्थ शाजापुर जिले के शिक्षा विभाग के रिटायर्ड कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद इसका लाभ देते हुए भुगतान कर दिया गया है.

पेंशनर संघ द्वारा जारी अपनी विज्ञप्ति में कहा है कि ब्लॉक ब्यावरा के रिटायर्ड कर्मचारियों ने सारे सबूत प्रदेश सरकार के अधिकारियों के सक्षम रखे किंतु इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया. पेंशनर संघ का कहना है कि ब्लॉक शिक्षा विभाग के बाबू द्वारा सर्विस बुक में अर्जित अवकाश को अंकित नहीं किया गया.

जबकि हमारे द्वारा मध्यान्ह भोजन ग्रीष्मकाल अवधि में कार्य किया गया. डी ग्रेड के बच्चों की गर्मी में संचालित कक्षाओं में पढ़ाई कराई. निर्वाचन नामावली में फोटो मतदाताओं के लिए कार्य किया. अत: प्रधान अध्यापकों के पद पर कार्य करने वाले को इसका लाभ मिलना जरुरी है. जिले में लगाई गयी रोक हटाना चाहिए ताकि पेंशनरों को लाभ मिल सके. वर्ष 2018 से रिटायर्ड कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान का लाभ मिल सके. पेंशनर संघ का कहना है कि उनके द्वारा पांच वर्षो से शासन से प्रमुखता से मांग की जा रही है.

युवाओं को रोज़गार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के लिए महत्वपूर्ण पहल

राजगढ़ 13 अगस्त, का. प्रदेश में युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण पहल की जा रही है. इस उद्दे श्य से प्रत्येक जिले में प्रतिमाह एक निर्धारित तिथि को युवा संगम का आयोजन किया जा रहा है. रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के लिए प्रदेश और प्रदेश के बाहर से भी नियोजक और विभिन्न प्लेसमेंट एजेंसियाँ भी उपस्थित रहती हैं, जो संस्थानों के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन कर प्लेसमेंट प्रक्रिया को गति प्रदान करती हैं.

लापरवाही ▶ **मुक्तिधाम मार्ग पर कई पोल रोड के बीच, दुर्घटना का डर, अनेक महत्वपूर्ण मार्गों पर भी पोल बने जानलेवा**

सालों बाद भी सड़क से नहीं हटा पाए बिजली के पोल

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 21 अगस्त, का. प्राय: सड़क वाहनों एवं राहगीरों के आने-जाने के लिए सुगम मार्ग होता है किंतु बीच सड़क पर ही यदि विद्युत पोल खड़े हो तो फिर हर समय दुर्घटना का भय, जोखिम बना रहना स्वाभाविक है.

किसी भी आवागमन वाले मार्ग पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण, व्यवधान घातक होता है, लेकिन इससे एक कदम आगे यदि सड़क के बीच विद्युत पोल लगे हो तो खतरा व कितना जोखिम होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है. ऐसे ही स्थिति नगर के मुक्तिधाम मार्ग व अन्य जगह देखी जा सकती है.

जहां रोड के मध्य विद्युत पोल मौजूद है.

उल्लेखनीय है कि स्थानीय राजगढ़ रोड पर श्री राधाकृष्ण मंदिर के सामने से मुक्तिधाम मार्ग जाता है. यह कई रहवासी क्षेत्र, कॉलोनियों का मुख्य मार्ग है. बायपास, कई ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले भी इसी रास्ते से आते-जाते है लेकिन इस मार्ग पर आबकारी कार्यालय, पानी टंकी व रोड पर अन्य जगह चार-पांच विद्युत पोल रोड के मध्य होने से वाहनों के टकराने का डर लगा रहता है. कुछ वाहन इन पोल से टकरा भी गये है.

रात्रि में नहीं आते है नजर- दिन में विद्युत पोल नजर आने पर वाहन चालक संभल जात है किंतु शाम होते ही अंधेरा होने पर यह पोल जानलेवा साबित हो सकते है. मार्ग पर अंधेरा भी पसरा रहता है. समय रहते यदि पोल को साइड में शिफ्ट नहीं किया गया तो कभी कोई अनहोनी घट सकती है.

नपा, विद्युत विभाग के अपने-अपने तर्क- इस संबंध में नपा का कहना है कि मुक्तिधाम मार्ग पर सीसी रोड बनाने के दौरान ही एक प्रपोजल बनाकर पोल साइड में शिफ्ट करने विद्युत विभाग को दिया था परन्तु विभाग द्वारा स्टीमेट बनाकर नहीं दिया गया.

विभाग का कहना प्रपोजल नहीं आया

विद्युत विभाग का कहना है कि नपा द्वारा पोल को साइड में शिफ्टिंग करने प्रपोजल विभाग को नहीं आया है. प्रपोजल आने पर स्टीमेट बनाकर दे दिया जाएगा. साथ ही विभाग की तरफ से सुपरवीजन दे दिया जाएगा. हालांकि पोल शिफ्टिंग में आने वाला खर्च नपा को ही वहन करना होगा.

ब्यावरा में बारिश का आंकड़ा 1800 एमएम के पार पहुंचा

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 21 अगस्त, का. एक बार फिर बारिश का क्रम शुरु हो गया है. बुधवार की तड़के नगर में डेढ़ इंच बारिश हो गई. ब्यावरा में बारिश का आंकड़ा 1800 एमएम के पार जा पहुंचा है.

बुधवार तड़के 4 बजे से बारिश का क्रम शुरु हो गया था. इस दौरान नगर में 40.2 एएम बारिश हो गई. जिले में कई स्थानों पर बारिश हुई. बुधवार की सुबह 8 बजे तक जिले में तहसीलवार बारिश की स्थिति इस प्रकार है.

जिले में 21 अगस्त की सुबह 8 बजे तक तहसीलवार बारिश की स्थिति इस प्रकार है. जीरापुर में 1046 एमएम, खिलचीपुर 1064.4, राजगढ़ 973.6, ब्यावरा में 1851.3 एमएम, नरसिंहगढ़ 1201.2, पचोर में 887.1 एमएम बारिश हुई है. जिले की औसत वर्षा आज दिनांक तक 1090.6 एमएम हो गई है, जो कि गत वर्ष आज दिनांक तक 806.9 एमएम ही बारिश हो सकी थी.